News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-265

पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

परिश्रम के उपहार से ही मानव का जग में सत्कार होता है।'

बिहार सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

बिहार, सोमवार, 30 दिसम्बर 2024

स्टेज पर लग रहे थे ठुमके, तभी चल गई गोली, फिर...

पटना, पटना के दानापुर में एक डांस कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग की गई। आरोप है कि फायरिंग करने वाला कोई और नहीं, बल्कि पुलिसवाला था। सरेआम फायरिंग का वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि स्टेज पर डांस चल रहा था। सामने भीड़ बैठी थी और तभी दनादन फायरिंग की आवाज से हड़कंप मच गया। जैसे ही गोली चली, स्टेज पर डांस कर रही डांसर भी घबरा गई। गोली चलते ही कैमरे का फोकस उस शख्स के ऊपर हो जाता है जिसने हवाई फायरिंग की थी।

2 लोगों ने मंच के नीचे बैठकर की फायरिंग

वीडियो में दिख रहा है कि थोड़ी ही देर में ये शख्स एक बार फिर पिस्टल आसमान की तरफ कर फायरिंग कर देता है। गोली चलाने के बाद दूसरा शख्स पिस्टल में मैगजीन सेट करने लगता है और इसके बाद एक बार फायरिंग करता है। इसी बीच, कुछ लोग आकर इनसे गोली नहीं चलाने की गुजारिश करते हैं जिसके बाद ये पिस्टल को कमर में छिपा लेता है।

पुलिस फायरिंग करने वालों की पहचान में जुटी

डांस के बीच हवाई फायरिंग का ये वीडियो सोशल मीडिया पर जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। वीडियो बिहार के पटना के दानापुर का बताया जा रहा है। वीडियो वायरल हुआ तो फायरिंग करने वाले युवक की पहचान भी हो गई। युवक पटना के ही किसी थाने का पुलिसकर्मी है। अब पुलिस पता लगा रही है कि क्या वाकई में ये कोई पुलिसवाला ही है जिसने कार्यक्रम के दौरान हर्ष फायरिंग की।

45 के मौलाना का 16 की छात्रा पर आया दिल

निकाह के लिए लेकर हुआ फरार

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के मनियारी थाना क्षेत्र में प्रेम प्रसंग का एक अनोखा मामला सामने आया है। मदरसा में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा को वहां पढ़ाने वाले एक 45 साल के मौलाना ने शादी की नीयत से अगवा कर फरार हो गया। बाद में मौलान को गिरफ्तार किया गया। मौलाना मनियारी स्थित मदरसे में बच्चों को पढ़ाता था। पढ़ाते-पढ़ाते मौलाना को छात्रा से प्यार हो गया। फिर क्या उसने छात्रा से निकाह करने का मन बना लिया।

मौलाना ने भागने का प्लान बनाया और छात्रा को लेकर फरार हो गया। छात्रा के परिजनों ने उसकी काफी खोजबीन की, लेकिन छात्र का कोई पता नहीं चला। परिजनों ने मनियारी थाना में छात्रा के गायब होने की एफआईआर दर्ज कराई। पीड़िता की मां ने पुलिस से पुत्री को सकुशल मुक्त कराने की गुहार लगाई। पुलिस को दिए आवेदन में छात्रा की मां ने आरोप लगाया कि मदरसा के मौलवी ने गलत नीयत से उनकी बेटी का अपहरण किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की। पुलिस ने एक टीम गठित कर छात्रा को सकुशल मुक्त करा लिया। वहीं, मौलाना को गिरफ्तार कर लिया।

लड़की से कर चुका है निकाह?

पूछताछ में मौलाना ने बताया कि वह लड़की से निकाह कर चुका है। पुलिस ने बताया कि मामला मनियारी थाना क्षेत्र के एक गांव का है, जहां दो दिन पहले मदरसे में पढ़ने वाली 16 वर्षीय छात्रा घर से कॉपी खरीदने की बात बताकर चौक की ओर निकली और फिर नहीं लौटी। जब काफी खोजबीन की गई, तब पता चला कि उसे मदरसा के मौलाना के साथ जाते देखा गया है। इस दौरान मौलाना का फोन एक व्यक्ति के पास आया। बातचीत में बताया कि लड़की मेरे पास है, लेकिन लड़की से बातचीत नहीं कराई। मौलाना ने फोन पर बात करते हुए स्वीकार किया कि लड़की उसके साथ घर पर है और वह लड़की से शादी करेगा।

मामले को लेकर कई तरह की चर्चा

लड़की के परिजनों ने इस मामले की प्राथमिकी मनियारी थाने में दर्ज कराई, जिसमें मौलाना पर शादी की नीयत से लड़की के अपहरण का आरोप लगाया गया। परिजनों ने पुलिस प्रशासन से गुहार लगाते हुए बताया कि उक्त मौलाना 45 वर्ष का है, जबकि मेरी पुत्री 16 वर्ष की है। उसके साथ गलत कार्य करने या करवाने का आरोप लगाया। वहीं, मामले को लेकर क्षेत्र में कई तरह की चर्चा हो रही है। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए लड़की को सकुशल बरामद कर लिया और आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया।

मौलान के पास कैसे पहुंची लड़की?

वहीं, मनियारी थाने के दरोगा प्रीति कुमारी ने बताया कि मदरसे में पढ़ने वाली एक छात्रा के अपहरण का मामला थाने में दर्ज हुआ था। आरोपी मौलाना को बरियारपुर गांव स्थित उसके घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान मौलाना ने दावा किया है कि लड़की खुद आई थी। उसने कहा कि उसकी मंशा अपहरण करने की नहीं थी।

पुलिस अब पूरे मामले की जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस ने मौलाना से पूछताछ के बाद न्यायालय में पेश किया, जहां से न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

पीएमसीएच के गेट पर हुई थी हत्या

अब वजह आई सामने बंगाल से हुए गिरफ्तार

पटना, तीन दिन पहले बेखौफ अपराधियों ने बिहार के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल के गेट पर एक एंबुलेंस चालक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान झारखण्ड राज्य के हजारीबाग जिला के डोगरी निवासी जवाहर दास के पुत्र विनय कुमार दास के रूप में की गई है। विनय कुमार दास वर्तमान में पाटलिपुत्र थाना क्षेत्र में रहते थे। पुलिस ने इस मामले में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

हत्या करने के बाद पहुंच गए बंगाल

पुलिस का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों में जगनपुरा निवासी मोनू, मैन पूरा निवासी अमन और भोजपुर जिला के मुख्यालय स्थित मिल्की मोहल्ला निवासी राजेश उर्फ़ चौसा, दार्जिलिंग निवासी निखिल गुप्ता सहित पांच अपराधी शामिल हैं। निखिल के पास से पुलिस ने हथियार और बाइक बरामद किया है। पुलिस का कहना है कि हत्या की घटना के बाद के बाद सभी अपराधी बंगाल के सिमराज भाग गए। बताया जा रहा है कि सभी आरोपी मोनू के पिता जो रेलवे कर्मी हैं, उन्ही के सरकारी क्वार्टर में छिपे हुए थे। घटना के बाद उन आरोपियों ने वहां शराब पार्टी की। पुलिस लगातार सभी आरोपियों का मोबाइल सर्विलांस पर रखी हुई थी, जिसके बाद सभी की गिरफ्तारी हुई।

इस वजह से हुई थी हत्या

घटना के कारण के संबंध में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि पीएमसीएच में रात्रि में एम्बुलेंस चलाने को लेकर हत्या हुई थी। डेड बॉडी को ले जाना है तो दिन का अलग रेट होता है और अगर रात में ले जाना है तो 3 गुना रेट हो जाता है। इसी को लेकर दस दिन पहले मोनू कुमार और विनय दास के बीच रात में एंबुलेंस नहीं चलाने को लेकर विवाद हुआ था। घटना के दिन आरोपियों ने पहले शराब पी। गुरुवार की शाम करीब 9:30 बजे विनय दास पीएमसीएच के मरीन ड्राइव के पास अपने एंबुलेंस में बैठे हुए थे तभी आरोपी वहां पहुंचे और विनय दास से गाली गलौज करने लगे। धीरे-धीरे बात बढ़ने लगी और दोनों के बीच मारपीट होने लगी। जब विनय अपने आप को बचाने के लिए भागने लगा तब आरोपियों ने विनय कुमार को गोली मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

छात्रों का प्रदर्शन जारी

आज बिहार बंद और चक्का जाम का ऐलान

पटना, बिहार लोक सेवा आयोग के खिलाफ राज्य के छात्रों का रोष बढ़ता चला जा रहा है। छात्र 13 दिसंबर को हुई परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। हालांकि, आयोग ने इस मांग को सिरे से खारिज कर दिया है। रविवार को राजधानी पटना में पुलिस ने प्रदर्शनकाारियों छात्रों पर वाटर कैनन और हल्के बल का भी इस्तेमाल किया। इस कदम से छात्रों में और ज्यादा गुस्सा भर गया है। सोमवार को बिहार बंद और चक्का जाम का ऐलान किया गया है। साथ ही राजनीतिक दल भी इस चक्का जाम को समर्थन देने लगे हैं।

माले ने दिया छात्रों को समर्थन

30 दिसंबर को छात्र-युवाओं द्वारा आयोजित चक्का जाम को माले ने समर्थन देने का ऐलान किया है। विधायक संदीप सौरभ ने लिखा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इस मामले में पत्र लिखकर पुनर्परीक्षा की मांग की है। उन्होंने कहा है कि पूरी परीक्षा रद्द करके फिर से आयोजित की जानी चाहिए क्योंकि पूरी परीक्षा ही अनियमितता और गड़बड़ी की शिकार है। भाकपा-माले राज्य सचिव कुणाल ने कहा है कि बीपीएससी अभ्यर्थियों के चल रहे आन्दोलन के प्रति सरकार का दमनात्मक और अड़ियल रवैया निंदनीय है. हमारी मांग है कि सरकार उनकी मांगों पर गंभीरतापूर्वक विचार करे और पीटी परीक्षा अविलंब रद्द करे. भाकपा - माले 30 दिसंबर को आयोजित होने वाले चक्का जाम का समर्थन करेगी।

क्या-क्या बंद रहेगा?

छात्रों या राजनीतिक दलों की ओर से इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है कि बिहार द के दौरान क्या खुलेगा रहेगा और क्या बंद रहेगा। हालांकि, बंद के दौरान बिहार में रेल समेत अन्य सार्वजनक परिवहन सेवाओं पर असर देखने को मिल सकता है। प्रदर्शनकारी बड़े स्तर पर बस, रेलवे जैसे ट्रांसपोर्ट सुविधाओं को बाधित कर सकते हैं।

बंद के दौरान क्या-क्या खुला रहेगा?

सोमवार को बुलाए गए बिहार बंद के दौरान अस्पताल और एम्बुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी। बैंक दफ्तर और सरकारी कार्यालय बंद रखने संबंधी अभी तक कोई आदेश सरकार की तरफ से नहीं आया है। इसलिए माना जा रहा है कि बुधवार को बैंक और सरकारी दफ्तर खुले रहेंगे।

तेजस्वी का प्रशांत किशोर पर निशाना

दूसरी ओर राजद नेता तेजस्वी यादव ने पूरे मामले में छात्रों को समर्थन दिया है। साथ ही उन्होंने जनसुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर पर इशारों में बड़ा हमला किया है। तेजस्वी ने आरोप लगाया है कि कुछ लोग आंदोलन को हाई जैक करना चाहते हैं। तेजस्वी ने कहा- ञकुछ लोग सबसे आगे होने की बात कह रहे थे लेकिन जब पिटाई हो रही थी तो वही भाग खड़े हुए।

छात्रों को उकसाने और हंगामा करवाने का आरोप

प्रशांत किशोर समेत करीब 21 नामजद और 700 अज्ञात के खिलाफ FIR दर्ज

पटना, जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर के खिलाफ पटना के गांधी मैदान थाने में ऱ्रद्धक्र दर्ज की गई है। उन पर छात्रों को उकसाने और हंगामा करवाने का आरोप है। इसके अलावा जनसुराज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर भी ऱ्रद्धक्र हुई है। वहीं करीब 21 नामजद और 700 अज्ञात के खिलाफ भी ऱ्रद्धक्र दर्ज की गई है।

क्या है पूरा मामला

बिहार लोक सेवा आयोग के पेपर लीक मामले के बाद आज छात्र पटना के गांधी मैदान में जुटे थे और लगातार प्रदर्शन कर सीएम आवास घेरने की कोशिश कर रहे थे। इस दौरान छात्रों के प्रदर्शन में जन सुराज के नेता प्रशांत किशोर भी शामिल हुए थे। दरअसल छात्र लगातार सीएम नीतीश कुमार से मुलाकात करने की मांग कर रहे थे। इससे पहले पटना जिला प्रशासन ने आयोग के अधिकारियों से बातचीत की पेशकश की थी, लेकिन इसे छात्रों ने ठुकरा दिया था।

छात्रों पर हल्का लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल

प्रदर्शन पर अड़े छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज भी किया। इसके बाद भी छात्र नहीं मानें तो उनपर वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा। प्रदर्शन कर रहे छात्र सीएम आवास की ओर आगे बढ़ रहे थे, जिन्हें रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया है।

पटना जिला प्रशासन ने क्या कहाञ

पटना जिला प्रशासन ने बताया कि 28 दिसंबर को शाम 5.30 बजे जन सुराज पार्टी द्वारा गांधी मैदान, गांधी मूर्ति के सामने छात्र संसद के आयोजन हेतु सूचना दी गई थी, जिसे जिला प्रशासन, पटना द्वारा नियमानुसार अस्वीकृत करते हुए आवेदक को ससमय सूचित कर दिया गया था। फिर भी दिनांक 29 दिसंबर को इस पार्टी के द्वारा गांधी मूर्ति के पास अनधिकृत रूप से लोगों की भीड़ इकट्ठा कर उन्हें उकसाया गया और विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न की गई। इसके बाद इनके द्वारा प्रदर्शनकारियों के साथ जेपी गोलंबर तक बिना अनुमति के जुलूस निकाला गया और सड़क जाम कर दी गई। वहां पर मुस्तैद दण्डाधिकारियों एवं पुलिस पदाधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की भी की गई।

प्रशासन ने बताया कि इन लोगों के द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए प्रशासन द्वारा लगाए गए लाउड स्पीकर को भी क्षतिग्रस्त किया गया। प्रशासन द्वारा बार-बार अनुरोध के बाद भी इन लोगों के द्वारा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते हुए लोक व्यवस्था भंग की गई। जब भीड़ बेक़ाबू हो गई तो जेपी गोलंबर के पास भीड़ को छोड़कर निकल लिया गया। उन लोगों के द्वारा मुख्य सचिव को ज्ञापन देने के लिए पांच लोगों का डेलीगेशन भेजने की बात की गई, लेकिन आपसी सहमति नहीं बनने के कारण लोगों का नाम भी नहीं दिया गया। आखिर में लगभग 100 की संख्या में लोग जेपी गोलंबर से हटने को तैयार नहीं थे। इसलिए प्रशासन द्वारा पानी की बौछार और हल्का बल प्रयोग कर इन्हें हटाया गया और स्थिति को सामान्य किया गया। अनधिकृत रूप से भीड़ को इकट्ठा करने, लोगों को उकसाने तथा विधि-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न करने के आरोप में 21 नामजद एवं 600 से 700 अज्ञात लोगों के विरुद्ध गांधी मैदान थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। कानून-व्यवस्था को भंग करने के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

किन लोगों के खिलाफ हुई FIR

मनोज भारती (अध्यक्ष जन सुराज पार्टी)

रहांशु मिश्रा, कोचिंग संचालक

निखिल मणि तिवारी

सुभाष कुमार ठाकुर

ञशुभम स्नेहिल

प्रशांत किशोर (एवं 2 बाउंसर जो उनके साथ थे)

आनंद मिश्रा

ञआर के मिश्रा (राकेश कुमार मिश्रा)

विष्णु कुमार

ञसुजीत कुमार (सुनामी कोचिंग)

कुल 21 नामजद और 600-700 अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है।